

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाओ,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्वयान कैंडे

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज
ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे
देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज
ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।



वर्ष २३ अंक २६३ वि.सं. २०८३ बैशाख ०८ गते मंगर थारु सम्वत (२६४९)

[Tuesday 21 April 2026]

(मोल रु. ५ | - पेज ४)

पक्की घर पाइलपाछे मुक्तकमैया दइ बजारमे उच्च माग, मने कामदार पैना मुस्किल

लाखौ आमदानी डेना बेत बाँस

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, ७ बैशाख । मुक्त कमैया
जगताराम चौधरीके जीवनके
आधा समय औरके घरमे कमैया
बैठटी बितल ।

छोटसे बच्चा स्याहना कामसे
कमैया जीवन सुरु करल उहाँ ४० वर्षसम
औरके घरमे काम करलै ।

चौधरी कहटै, "आधा जीवन
बर्दगोरियाके टमान मालिकके घरमे
बिटैनु । कमैया मुक्तके बेलाफे कमैया
रह । कमैयासे मुक्त टे हुइनु मने, पहिल
चरणमे परिचयपत्र पैनासे वञ्चित
हुइनु ।" परिचयपत्र पैनासे वञ्चित
हुइलपाछे चौधरी जग्गा पैना बाट
नैरहल । मुक्तके खुसियालीसंगे गरिबी
ओ अभावके बोभसे थिचल उहाँके
अवस्था भनन जर्जर बनल ।
डाईबाबासमेत स्याहारे सेकन अवस्था
नैरहे । विगत सम्भटी चौधरी कहलै,
"मै डाईबाबाहे एक वर्षसम दिदीके घरमे
धरनु । २०६० सालमे परिचयपत्र
पाइलपाछे बल्ल रानीकुण्डामे पाँच
कट्टा जग्गा मिलल ।" मुक्त कमैया
चौधरीहे सरकारसे पाँच कट्टा जग्गा
टे डेहल मने उपभोग कैना ओ वहाँ
बैठना सजहल भर नैरहे । सामुदायिक



वन उपभोक्ता समितिसे कटरा चो मुक्त
कमैयाके भोपरीमे आगी लगाइल टे
कटरा चो सामान लुटल ।

भारी संघर्षपाछे सरकारसे डेहल
जग्गामे कच्ची घर बनाके बैठल
चौधरीसे जीवनके उत्तरार्धओर दुई कोठे
पक्की घर पाके सपना जस्टे लगटी रहल
बटैले । अँटवार नयाँ घर पाइलपाछे
हर्षित मुद्दामे उहाँ कहलै, "पहिले जग्गा
नैरहल मने मै पक्की घर पैम कहिके
कबु सोचलफे नैरहु । घर पाके सपना
जस्टे लगटी रहल बा । बहुत खुसीफे
लगटी रहल बा । सरकार ओ संघ
संस्थाहे धन्यवाद बा ।" मुक्त कमैया

सिङ्गिदेवी चौधरीके परिवारमेफे खुसीके
दीप बरल बा । कारण, हो नयाँ पक्की
घर । नयाँ घरके हस्तान्तरणके
प्रमाणपत्र हात लागलपाछे उहाँ खुसीसे
दइ बटै । उहाँ कहटै, "हमे जीवनमे
ढेर दुःखकष्ट भोगल बटी ।" जग्गा
पाइलपाछे छोट कच्ची घर बनाके बैठटी
आइल रहित मने ढेर चो लुटपाटफे
हुइल । आज पक्की घर पाइलपाछे ढेर
खुसी लागल बा ।"

जगताराम ओ सिङ्गिदेवी जस्टे
कैलालीके बर्दगोरिया गाउँपालिका-३,
रानीकुण्डका पक्की घर पैना विपन्न
मुक्त कमैया खुसीसे गद्गद् बटै ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार, भूमि
व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय,
बर्दगोरिया गाउँपालिका ओ
हयाविट्याट फर ह्यूमानिटी नेपालके
सहकार्य (राष्ट्रिय दलित नेटवर्कके
सामाजिक परिचालन) मे संयुक्त
सहयोगमे निर्माण हुइल आवास
रानीकुण्डके २१ मुक्त कमैया परिवारहे
आइतबार हस्तान्तरण करल बा ।

भूमि, व्यवस्था, कृषि तथा
सहकारीमन्त्री वीरबहादुर थापासे मुक्त
कमैयाहे नयाँ आवास हस्तान्तरण
करलै । नयाँ आवास पाके बहुत खुसी
लागल मुक्त कमैया सुकनीदेवी चौधरी
बटैली । उहाँ पक्की घर बनैना सपना
पूरा हुइल उल्लेख करटी कहलै, "कौनो
न कौनो दिन हमारफे पक्की घर हुई
कना लागे । आज पक्की घर मिलल
बा । खुसी बटी ।"

मुक्त कमैयाके लाग सुरक्षित
आवास निर्माण कार्यक्रम अन्तर्गत एक
करोड ४७ लाख ६९ हजार रुपियाँ
लगानीमे सुरक्षित आवास निर्माण
करल जनाइल बा । आवास
हस्तान्तरण करटी मन्त्री थापा सघीय
सरकारसे पुनस्थापनाके कार्यसे हात
भिकके स्थानीय सरकारहे जिम्मेवारी
सुम्पलपाछे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे
कार्यविधि बनाके मुक्त कमैया, हलिया,
मुत्तक कमलरीके लाग आवास
निर्माणके कार्य आधे बढाइल बटैले ।
उहाँ कहलै, "थैसिक काम आधे बढाइल
हमार प्रदेश केह हो । और प्रदेशसे
काम करल नैहो ।" मन्त्री थापा मुक्त
कमैया, मुक्त हलिया, कमलरीके लाग
बर्सेन घर बनैनासेफे आवश्यक हुइल
सक्कुहुनके लाग एक्के वर्षमे बनाई
सेकना बटैले ।

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, ७ बैशाख । कैलालीके
टीकापुर नगरपालिका-७ स्थित सती
कर्णाली सामुदायिक वन बेत
बाँसके लाग प्रख्यात रहल बा ।
सामुदायिक वनसे बर्सेन लाखौ रुपैयाँके
बेत बाँस सङ्कलन कैटी आइल बा ।
बन्वाके प्रमुख आमदानीके स्रोत नै बेत
बाँस हो ।

आर्थिक हिसाबसे सम्पन्न इ
सामुदायिक वनसे बेत बाँस सङ्कलनसे
दर्जनौ स्थानीयवासीहे रोजगारी
सिर्जना कैटी आइल बा । अब्बे वनसे
कच्चे बेत सङ्कलन हुइटी रहल बा ।
दर्जनौ स्थानीयवासी बेत सङ्कलनमे
जुटल बटै । उहाँहुके सङ्कलन करल
बेत वनसे प्रतिकिलो रु ११ मे खरिद
कैटी आइल बा ।

तीन हजार क्विन्टल बेत बाँस
सङ्कलन कैना लक्ष्य लेहल सामुदायिक
वनसे आवश्यकताअनुसार कामदार
नैपाके लक्ष्य भेटैना मुस्किल हुइल वन
कार्यालयके प्रमुख मीनबहादुर ठकुल्ला
बटैले । "अबबेसम लगभग ९००
क्विन्टल सङ्कलन हुइल बा ।
लक्ष्यअनुसार इ बरस फेन बेत सङ्कलन
नैहुइ," उहाँ कहलै, "कामदार पैना करा
होके गैल बरस फेन लक्ष्यअनुसार बेत
सङ्कलन करे सेकल नैरहे । वनसे गत
बरस एक हजार ४०० क्विन्टल बेत
बाँस सङ्कलन करल रहे ।"

वनके १४६ हेक्टर क्षेत्रफलमे बेत
बाँस रहल बा । उ मध्ये १० हेक्टरसे
ढेर क्षेत्र कर्णाली लडियाके कटानमे
परसेकल ब । बेत बाँस रहल क्षेत्रहे
चार भागमे विभाजन कैके वनसे पाँच

बरसमे एकचो एक भागके बेत बाँस
सङ्कलन कैटी आइल बा । "हमे बरसमे
७० से ८० लाख रुपैयाँसमके बेत बाँस
बिक्री करल रेकर्ड बा," सामुदायिक
वनके अध्यक्ष जितराम चौधरी कहलै,
"अइसीक आमदानी हुइल रकम
उपभोक्ताहे प्रदान कैना सेवामे खर्च कैना
करल बटी ।"

ओहकान अनुसार वनसे बर्सेन
जुरारके समयमे ज्येष्ठ नागरिकहे
कम्बल वितरण कैटी आइल बा ।
साथे, उपभोक्ताके बालबालिकाहे
छात्रवृत्ति ओ उपभोक्ताके परिवारमे
केको निधन हुइबर किरिया खर्चबापत
वनसे नगद सहयोगसमेत कैटी आइल
बा । कच्चे बेत प्रतिकिलो रु. ११ मे
खरिद कैके सामुदायिक वनसे
उहीहे सुखवाके उपभोक्ताके लाग
प्रतिकिलो रु. ५० मे उपलब्ध करैटी
आइल बा । बाहर बिक्री करे परलमे
प्रतिकिलो रु. ९० मे बिक्री कैलेसे फेन
'टेन्डर' मार्फत प्रतिकिलो रु. १०५ सम
बिक्री हुइना करल अध्यक्ष चौधरीके
कहाइ रहल बा ।

ओहकान अनुसार बजारमे बेतके
माग उच्च रहलेसे फेन उहीहे पूरा करे
सेकल नैहो । टीकापुरमे किल बेत
बाँसके फर्निचर उत्पादन कैना दर्जनौ
उद्योग सञ्चालनमे रहल बावै । उ
सक्कु उद्योगके कच्चा पदार्थके स्रोत
उहे सामुदायिक वन हो । बर्सेन
कर्णाली लडियाके कटानके कारण
सामुदायिक वनके क्षेत्रफल खुम्चटी गैल
बा, जिहीसे टीकापुर नगरपालिकाके
दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र थप जोखिममे परटी
गैल बा ।

सुदूरपश्चिम सरकारके पुरान योजना अलपत्र

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, ७ बैशाख । आर्थिक वर्ष
२०७६/०७७ से सुदूरपश्चिम प्रदेश
सरकारसे नौठो गौरवके सडक
निर्माणके योजना कार्यान्वयनमे
लन्ले बा । प्रदेशके नौ जिल्लाके एक
एकठो सडकहे प्रदेशके गौरवके
योजनाके रूपमे सरकारसे आधे बढाइल
रहे । मने, सात बरसके अवधि बिटलेसे
फेन एकठो सडक योजना फेन पूर्णता
पाइल नैहो ।

कुल लम्बाइ ९२२ किलोमिटर
रहलमे हालसम प्रदेश सरकारसे
गौरवके सडकमे १५२ किलोमिटर किल
कालोपत्रे करले बा । नौ सडक
निर्माणके लागत ३७ अर्ब रहलमे सात
बरसके अवधिमे पौने ५ अर्बके किल
ठेक्का लागल बा कलेसे ३ अर्ब १६
करोडके काम हुइल बा ।

प्रदेश सरकारसे गौरवके सडक
निर्माणमे ६७ करोड किल भुक्तानी
करले बा । गौरवके सडक योजना
कार्यान्वयनमे मुख्य समस्या बजेट रहलेसे
फेन कार्यान्वयन कैटी आइल पूर्वाधार
विकास कार्यालय बटैटी आइल बावै ।
बजेटके समस्यासे गौरवके योजना
अलपत्र परल अवस्थामे प्रदेश सरकार
भर लावा बहुवर्षीय ठेक्का लगाइक
लाग धमाधम स्रोत सहमति डेटी आइल
बा । चालु आर्थिक बरसमे आर्थिक
मामिला मन्त्रालयसे भौतिक पूर्वाधार
विकास मन्त्रालयहे ५ अर्ब १५ करोड
४३ लाख रुपैयाँ लागतके ७१ आयोजनाके
बहुवर्षीय ठेक्का लगैना स्रोत
सहमति डेले बा । गतवर्ष भौतिक
पूर्वाधार विकास मन्त्रालयसे ४ अर्ब
९३ करोड ४० लाख रुपैयाँके ८५ योजना
बहुवर्षीय ठेक्का लगाइक लाग स्रोत

सहमति पाइल रहे ।

बहुवर्षीय आयोजनामे स्रोत
सहमति डेटी आइल सरकारसे उ
योजनाके कार्यप्रगतिबारे भर चासो
डेहल नैहो । प्रत्येक बरस हुइना
ठेक्कापाछे निर्माण व्यवसायीहे
मोभिलाइजेसन खर्च डेना बाहेक अन्य
प्रगति डेखल नैहो । भौतिक पूर्वाधार
मन्त्रालयके अनुसार ११ अर्ब ३३ करोड
१० लाख ८४ हजार रुपैयाँ विगतके
बहुवर्षीय ठेक्का लागल सडक ओ पुल
निर्माणके दायित्व आयोजनाके रहल
बा । बहुवर्षीय ठेक्कामे रहल उ १४५
आयोजनामध्ये ७० आयोजनाके टे म्याद
नै ओरासेकल बा ।

पूर्वाधार विकास कार्यालय
डडेल्धुराके प्रमुख नवराज रावल
बहुवर्षीय ठेक्का लागल योजना
कार्यान्वयनमे मुख्य तीन समस्या
रहल बावै । 'एकठो टे निर्माण
व्यवसायीसे करल कामके फेन बजेट
अभावके कारण भुक्तानी डेहे सेकल
नैहुइटी,' उहाँ कहलै, 'कतिथ योजनामे
निर्माण व्यवसायीके फेन ढिलासुस्ती
रहल बा । औरे ओर, निर्माण
सामग्रीके अभावसे फेन अपेक्षाअनुसार
काम हुइ सेकल नैहो ।'

प्रदेश सरकारसे बहुवर्षीय ठेक्काके
लाग स्रोत सहमति डेना मने उ अनुसार
बजेट विनियोजन नैकैना समस्या फेन
रहल बा । गैल बरस स्रोत सहमति
पाइल ८५ आयोजनामे इ बरस २ अर्ब
२८ करोड ३४ लाख रुपैयाँ विनियोजन
हुइ पर्ना रहे । मने, प्रदेश सरकारसे उ
आयोजनामे चालुआर्थिक बरसमे ८१
करोड ३० लाख ४५ हजार किल
विनियोजन करल रहे ।

पुरान बहुवर्षीय आयोजना सम्पन्न

नैहुइना ओ नयाँ बहुवर्षीय आयोजना
थप्टी जाइबर प्रदेश सरकारहे पूर्वाधार
विकासमे किल वार्षिक बजेटके आधासे
ढेर हिंसा विनियोजन करे पर्ना
बाध्यता बन्टी गैल बा । ३० अर्ब
हाराहारीके बजेट लन्टी रहल प्रदेश
सरकारसँग बहुवर्षीय ठेक्काके दायित्व
किल १५ अर्बसे ढेर पुगल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

Advanced Healthcare for all.

निसर्ग हस्पिटल

एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

जनरल फिजिसियन (पेट, धारी, मुटु) रोग विशेषज्ञ	रेडियोलोजी विशेषज्ञ	न्युरो, मासिक, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ	हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट
हाडजोर्नी तथा नशा रोग विशेषज्ञ	जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन	स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ	नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ	एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ	मुख, अनुहार तथा बुझारा विशेषज्ञ	मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
घाला, चीन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ	मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ	मुटु रोग विशेषज्ञ	

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com | nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सतपाठक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सतपाठक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुवा सतपाठक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४९६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४४०९८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

लोकतन्त्रउपपरके वैश्विक चिन्ता

अन्तर्राष्ट्रिय संस्था 'भी-डेम' के सन् २०२६ के प्रतिवेदन अनुसार संसारभर अब्बे लोकतन्त्रउपपर ढेर चुनौती उखाडल बा । लोकतन्त्रके अब्बेक अवस्थाहे सन् १९८७ के जस्टे कहल उ प्रतिवेदनसे ओल्याइल बा । एक लोकतन्त्रवादीके लाग थप चिन्ताके विषय सन् १९८७ मे लोकतन्त्र कमजोर रलेसे फेन उपरतिके आकर्षण बहल रहे । लोकतन्त्रीकरणके अभियान प्रारम्भ हुइल रहे । अभिन टे लोकतन्त्रप्रतिके आकर्षण घटल बा । अनुदारवादी लोकतन्त्रओरके यात्रा प्रारम्भ हुइल जस्टे उखाडल बा । यी अवस्थाके विश्लेषण आवश्यक बा । लोकतन्त्रप्रतिके अविश्वासके कारण 'खोजी नैहुइना ओ ओम्ने सुधारके उगर नैपहिल्यइना हो कलेसे संसार सन् १९८७ से फेन आगेओरके यात्रामे जाइ सकि । लोकतन्त्रसंग ओइसिन ताकत रहठ, यिहिनसे स्वयम् अपनभित्तरके समस्या पहिचान कैके ओकर समाधान खोजे सकि । परिस्थितसे आब लोकतन्त्रहे उ ताकत अजमाइक लाग प्रेरित करल बा ।

सैनिक 'कु', यी सबसे का पुष्टि करठ कलेसे लोकतन्त्रके जग बैठना नैपाके यिहिनहे भस्कैना खेल सुरु हुइल रहठ । प्रसिद्ध दार्शनिक कार्ल पोपरसे अपन कृति 'दी ओपन सोसाइटी एन्ड इट्स एनिमिज' मे लोकतन्त्रके एक महत्वपूर्ण कमजोरी ओल्याइल बा । उहाँ कलै, "हम्रे असहिष्णुताहे असीमित स्वतन्त्रता डेहठ कलेसे अन्ततः सहिष्णुता नष्ट रहठ ।" यी कथनसे लोकतन्त्रके उदार चरित्रमे रहल जोखिमहे प्रस्ट परठ । लोकतन्त्रसे सबहे विचार, अभिव्यक्ति ओ संगठनके स्वतन्त्रता डेहठ । यिहे स्वतन्त्रता दुरुपयोग करटि कुछ शक्ति लोकतन्त्रके विरुद्ध रहना करठ ।

अधिकारहे दबाइ सकि । इतिहासके सबसे डरलाना उदाहरण जर्मनीके एडोल्फ हिटलर हो । हिटलर लोकतान्त्रिक प्रक्रिया ओ निर्वाचनसे सत्तामे पुगल रहे । उहाँ ओहे लोकतन्त्रके ढोकासे भित्तर छिरके पाछे ओहे ढोकाहे भित्तरसे बन्द करल अर्थात् उहाँ लोकतान्त्रिक विधि प्रयोग कैके लोकतन्त्रके हत्या करलै ।

विश्वव्यापी अवस्था

सन् २०२५-२६ के पाछेक प्रतिवेदनसे विश्वव्यापी लोकतन्त्रके अवस्थाबारे चिन्ताजनक तस्बिर प्रस्तुत करल बा । औसत विश्व नागरिकके लाग लोकतन्त्रके स्तर अब्बे सन् १९७८ के स्तरमे पुगल बा । सन् १९७४ मे

संसारके यी पाछेक अवस्था ओ लोकतन्त्रके संवेदनशीलताहे हेरके हम्रे फेन कोनो डगर बिराइ कि कहिके चिन्ता करेपरना समय आइल बा । लोकतन्त्रके पक्षमे निरन्तर खबरदारीसेयकर असल अभ्यासहे आमन्त्रण करे सेकजाइ ।

कुछ शक्तिसे खबरदारी ओ प्रेसके आलोचनाहे 'विकासविरोधी' वा 'अस्थिरताके कारक' कहिके चित्रण करना करठ । खबरदारीहे आलोचना मन्ना लोकतन्त्रके सही अभ्यास करल मानल नैहो । हमार समाज भावनामे बहना चरित्रके बा । अइसिन अवस्थामे लोकतन्त्रके तीन ठो खम्बा-सत्तारुढ दल, प्रमुख प्रतिपक्षी ओ मिडिया (नागरिक समाजसहित) बिच निर्मम समीक्षा अनिवार्य बा । लोकप्रिय जनमतके साथ सरकार बनल नेपालके वर्तमान अवस्थामे अइसिन खबरदारी आवश्यक बा । सत्तापक्षसे खबरदारी ओ आलोचनाबिचके भेद नैपाइल ओ खबरदारी करनाहे विरोधी मानि कलेसे उ देश ओ लोकतन्त्रके प्रति दुर्भाग्य हुइल बा । हम्रे आज यी सवालमे चिन्तन नैकरलि ओ टाटुल बहसहे स्वीकार नैकरब कलेसे हम्रे लोकतन्त्र फेन विश्वव्यापी 'निरंकुशीकरण' के छायामे परना निश्चित बा । लोकतन्त्र एक स्थिर गन्तव्य नाइहो, यी टे एकडम माफेपरना एना जस्टे हो ओ हुइ परठ । यकर उदार चरित्र यकर शक्ति फेन हो ओ कमजोरी फेन । स्वतन्त्रता ओ जिम्मेवारीबिचके सन्तुलन कायम करना आजके मुख्य चुनौती हो । पाछे पछुटेनासे आजसे लोकतान्त्रिक संस्थाके सुदृढीकरण ओ नागरिक चेतना अभिवृद्धिमे लगना बुद्धिमानी हुइल बा । लोकतन्त्रके रक्षाके लाग राज्यके सब अंग ओ सरोकारवाला एक ठाउँमे रहल यकर संरक्षणमे लगना आजके अनिवार्य आवश्यकता हो ।

उदारता : शक्ति कि कमजोरी ?

लोकतन्त्रके उदार चरित्रसे विविधता, बहुलता ओ स्वतन्त्रताहे सम्मान करठ । यिहे उदारता कबकाल यकर कमजोर पक्ष फन बने पुगठ । घृणात्मक अभिव्यक्ति, गलत सूचना ओ चरमपन्थी विचार फेन लोकतान्त्रिक स्वतन्त्रताके आडमे फेले सकि । आधुनिक समयमे सामाजिक सञ्जालके विस्तारसंगे यी समस्या और जटिल बनल बा ।

यी सन्दर्भमे एलेक्सिस डी टोकिभलके 'बहुमतके अत्याचार' के अवधारणा फेन सान्दर्भिक बा । लोकतन्त्रमे बहुमतके शक्ति अत्यधिक बलगर रहठ, यिहिनसे अल्पमतके

पोर्चुगलसे सुरु हुइल 'प्रजातन्त्रके तेसर लहर' से प्राप्त उपलब्धि लगभग समाप्त हुइना अवस्थामे बा ।

भी-डेम नामक संस्थासे सार्वजनिक करल पाछेक तथ्यांक अनुसार विश्वके करिब ७४ प्रतिशत जनसंख्या (फुन्डे छ अर्ब मने) अब्बे कौनो ना कौनो रूपके निरंकुश शासनपद्धतिमे बाँचल बा । उदार लोकतन्त्रमे बैठना मनेके संख्या घटके सात प्रतिशतमे सीमित होके विश्व कहाँ गैल बा कना संकेत करठ । सन् २०२५ के अन्त्यसम्म विश्वमे ९२ से निरंकुश ओ ८७ ठो किल लोकतान्त्रिक मुलुक बाँकी रहना सुखद संकेत नाहोए ।

विचार तिपुल पोखरेल

उ संस्थाके प्रतिवेदन अनुसार विशेष कैके अभिव्यक्ति स्वतन्त्रता सबसे ढेर प्रहारमे परल बा । ४४ ठो देशमे प्रेस ओ अभिव्यक्ति स्वतन्त्रताके अवस्था खस्कल बा कलेसे राजनीतिक विपक्षीहे दबैना यातनाके प्रयोग करना देशके संख्या ३३ पुगल बा । प्रतिवेदनसे आश्चर्यजनक ओ दुखद पक्षके रूपमे अमेरिका विगत ५० वर्षमे पहिलचो 'उदार लोकतन्त्र' के अपन हैसियत गुमैलेसे यी विषयहे लेहल बा । राष्ट्रपति पदमे डोनाल्ड ट्रम्प अइलेसे फेन उहाँक शक्तिके केन्द्रीकरण करना ओ संस्थागत सन्तुलन भस्कैना कार्यसे अमेरिकी लोकतन्त्रहे सन् १९६५ के अवस्थामे पुगल बा । नागरिक अधिकार, कानूनके शासनमे समानता ओ मिडिया स्वतन्त्रता विगत ६० वर्षयहोरके न्यूनस्तरमे पुगल विश्वभरके लोकतन्त्रवादीहे भस्करल बा । इटाली, बेलायत, स्लोभेनिया जस्टे स्थापित युरोपेली देशसमेत अब्बे निरंकुशताउन्मुख देशके सूचीमे परना लोकतन्त्रके भविष्यउपपर भारी प्रश्नचिह्न खडा करल बा ।

नेपालके सन्दर्भ

भी-डेमके प्रतिवेदन अनुसार नेपाल लोकतन्त्रके वरीयतामे 'शीर्ष ३० से ४० प्रतिशत' भित्तर परके कुछ सन्तोषजनक अवस्थामे डेखैलेसे फेन खतरामुक्त भर नौहो । २०६२/६३ के जनआन्दोलनपाछे स्थापित संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रमे अभिन फेन संस्थागत परिपक्वता आइ सेकल नैहो । राजनीतिक अस्थिरता, दलगत स्वार्थ ओ संवैधानिक निकायके राजनीतीकरणसे हमार लोकतन्त्रके आधारहे कमजोर बनैटि बा ।

लोकतन्त्र केवल व्यवस्था घोषणा कैके किल सुदृढ नैहुइठ, यकर संरक्षणके लाग निरन्तरके खबरदारी ओ उच्च राजनीतिक संस्कार आवश्यक रहठ । जब राजनीतिक दल लोकतान्त्रिक मूल्यसे विचलित रहठ ओ भ्रष्टाचार एवं सत्ताके दुरुपयोगमे लिप्त रहठ, तब नागरिकमे व्यवस्थाप्रति नैराश्य उत्पन्न रहठ । यिहे नैराश्यके जगमे निरंकुशतासे खल्ना मौका पाइठ ।

लोकतन्त्रके आधार खबरदारी

संसारके यी पाछेक अवस्था ओ लोकतन्त्रके संवेदनशीलताहे हेरके हम्रे फेन कोनो डगर बिराइ कि कहिके चिन्ता करेपरना समय आइल बा । लोकतन्त्रके पक्षमे निरन्तर खबरदारीसेयकर असल अभ्यासहे आमन्त्रण करे सेकजाइ । कुछ शक्तिसे खबरदारी ओ प्रेसके आलोचनाहे 'विकासविरोधी' वा 'अस्थिरताके कारक' कहिके चित्रण करना करठ । खबरदारीहे आलोचना मन्ना लोकतन्त्रके सही अभ्यास(बाँकी ३ पेजमे)

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. १३९९, १३९८ क्षेत्रफल २२८.५५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री रोहित धिमिरेले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: पावर्तकुमारी पनेरु, गगन विष्ट पश्चिम: सडक
उत्तर: कौशिल्यादेवी भण्डारी दक्षिण: भरतबहादुर कुमाल

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ बोराडाडी स्थित कित्ता नं. ७८० क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री यसोदाकुमारी बोहराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: माघी चन्द पश्चिम: सडक
उत्तर: सडक दक्षिण: मंगलबहादुर जेठारा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर २ रैकाटोल स्थित कित्ता नं. ८९७ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री भगवती खड्काले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: पवित्रा साउँद पश्चिम: धनबहादुर चन्द
उत्तर: चुडामणि साउँद र अनुजा देउवा दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १० घुइयाघाट स्थित कित्ता नं. ७७५ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री लक्ष्मीदेवी चौधरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: अर्मिलादेवी भण्डारी पश्चिम: पतवारी राना
उत्तर: अनिरुद्र राना थारु दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

पाठकवर्गसे अनुरोध

पिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायत अन्य जनजातिके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्ति, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।
-सम्पादक

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोल्लर मूर्गानके मासु सुपथ मोल्मे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी ।
नोट : भोजविहा, ब्रतवन्धके लाग होम उतिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बिगाहेडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगे
मो. ९८१९९३५६८०

वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९२९९,९१०
इपका अतरीया ०९१-५५०९२३
जिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२९९८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९९५३
इपका मसुरिया ०९१-५०००९४
इपका चौमाला ०९१-६९२५७९
इपका लम्की ०९१-५४०९९९
इपका मजली ०९१-५८०९९९
इपका सुखड ०९१-५२९९६६
इपका मालखेती ०९१-५५०९२३
इपका फल्ठुरे ०९१-६९०३३०
इपका हसुलिया ०९१-५२९९४५
इपका पाण्डौल २७४९०९४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
इपका टीकापुर ०९१-५६०९९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२९३३२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक ०९१-५२३३३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६

बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बलानदेश बैक ०९१-५२९७८५
सिटीजन बैक ०९१-५२७७८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
संजाराईज बैक ०९१-५२६८५०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैक ०९१-५२३००६
एनएनबी बैक लि.०९१-५२९२९६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२९१०९
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालिका .०९१-५२९४२९
मालपोत.०९१-५२९२०९, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२९२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२९५५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२९२७९
नवजिवन ०९१- ५२९२३३/५२९७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पदमा धनगढी ०९१-५४०३५५
सेवा लिडिङ होम अतरीया ०९१-५५०७९०
एम्बुलेन्स मसुरिया २७४९०९८०९८
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७७७

टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०९५०
दमकल १०९
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२९३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२९२३७, ५२३२७९
एम्बुलेन्स : ५२९६००
सावार्थिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५७७५०
विद्युत : ५२९९४५
डिनेश मेडल ०९१-५२९३२२
होचल
डिनेश ०९१-५२३२९८/५२५३२९
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विभा.०९१-५२३२७३
तस्फण ०९१-५२५६९३, सनलाइट०९१-५२५५३६
बल्ड लिंक धनगढी: ५२०५५९
नायलाना०९१-५२३८३०/५२९९१०
नेपाल पत्रकार महासंघ ५२७९२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९२३३
सुदूरपश्चिमकाञ्चन क्याम्पस ०९१-५२३९२२
ईश्वर बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९७०९
राजनेतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२९४९५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२९०९०
बसपाका काउन्सिलर धनगढी : ०९१-५२९२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-५२६७७९

इन्धन मूल्यवृद्धिविरुद्ध प्रदेश सभामे बहस चलल

दाङ, ७ वैशाख । लुम्बिनी प्रदेश सभाके सातौं अधिवेशनअन्तर्गत १३औं बैठकमे प्रदेश सभा सदस्यसे पेट्रोलियम पदार्थके मूल्यवृद्धि जनजीवनमे गम्भीर असर परल कटि तत्काल निर्णय फिर्ता लेना संघीय सरकारसँग माग करल बा ।

बैठकमे प्रदेश सभा सदस्य कृष्णा कुशमा थारु पेट्रोलियम पदार्थमे करल नीतिगत व्यवस्थासे राज्यहे नोक्सानी ओ व्यवसायीहे फाइदा पुगल आरोप लगाए मूल्यवृद्धिके विरोध करल । उहाँ इन्धन महँगाहोके आम नागरिक प्रत्यक्ष रूपमे मारमे परल बटैलै ।

प्रदेश सभा सदस्य इन्द्राकुमारी गहतराजसे संघीय सरकार गठन हुइलयहोर नूनसे सुनसम अत्यधिक मूल्यवृद्धि हुइल उल्लेख करटि जनताके दैनिक जीवन कष्टकर बनल बटैलै । उहाँ तत्काल मूल्यवृद्धि फिर्ता लेना माग करलै ।

प्रदेश सभा सदस्य हेमा बेल्वासेसे सीमापारिसे नानल सामान्य घरायसी सामानमे १०० रुपियाँसे उप्पर भन्सार तिरेपरना व्यवस्था ओ पेट्रोलियम



पदार्थके मूल्यवृद्धिप्रति कडा आपत्ति जनैलै । अपने गरिब नागरिकके आवाज बनके रहल उल्लेख करटि उहाँ सीमावर्ती क्षेत्रके नागरिक सामान्य सामग्री नानके अपमानजनक व्यवहार भोगेपरल बटैलै ।

उहाँ वर्तमान महँगीके अवस्थामे १०० रुपियाँसे सामान्य सामान समेत किने नैसेकना कटि अइसिन नियम गरिबके भान्साउप्पर प्रत्यक्ष असर करल धारणा डरलै । इन्धन महँगाहोके सिँचाइ खर्च, ट्याक्टर भाडा ओ उत्पादन लागत बहल ओरसे किसान पलायन हुइना अवस्था आइ सेकना चेतवनी फेन उहाँ डेलै ।

बेल्वासे इन्धन मूल्यवृद्धिके कारण ठुवानी खर्च बढके दैनिक उपभोग्य वस्तुके मूल्यसमेत बहल बटैटि सीमावर्ती नागरिकके लाग 'बोर्डर पास' वा सहूलियत कार्डके व्यवस्था करना तथा सस्ता ओ सुलभ बजार सुनिश्चित करना सरकारसँग माग करलै ।

प्रदेश सभा सदस्य तारा थापा अत्यधिक मूल्यवृद्धिके कारण विपन्न वर्गके जीवनयापनमे थप कठिनाइ आइल बटैटि तत्काल राहत उहेपरनामे जोड डेलै । प्रदेश सभा सदस्य मिनाकुमारी बोहोरा अर्थतन्त्र सुधारओर सरकार गम्भीर हुइपरना बटैलै कलेसे चन्द्रकेश

गुप्ता लुम्बिनी अइना तीर्थयात्रीहे भगवान बुद्धके ज्ञानसँग जोरेपरना आवश्यकता औल्याइलै ।

ओस्टेक, मिनाकुमारी श्रेष्ठ बाँके दक्षिण क्षेत्रमे सिँचाइ सुविधा विस्तारके लाग आयोजनाहे पुनर्जीवन उहेपरना बटैलै । लोकाकुमारी विश्वकर्मा रातो किताबमे विनियोजित बजेट कार्यान्वयनमे समस्या रहल उल्लेख करलै । प्रदेश सभा सदस्य विष्णुप्रसाद पन्थीसे मेटा कम्पनीहे कानुनी दायरामे नन्ना नेपालमे प्रचलित कानूनअनुसार राजश्व तिर्न बाध्य बनाइपरना धारणा डरलै ।

बैठकमे सामाजिक विकास समितिके सभापति यमबहादुर नेपाली सार्की दलित अधिकारसम्बन्धी विधेयकउप्परके समितिके प्रतिवेदन प्रस्तुत करलै कलेसे कृषि, वन तथा वातावरण समितिके सभापति विश्वप्रेम पाठकसे समितिके वार्षिक प्रतिवेदन सभामे पेश करलै । सातौं अधिवेशनके १४औं बैठक मंगरके रोज बैठना जानकारी कराइल बा ।

लोकतन्त्रउप्परके...

करल मानल नैहो । हमार समाज भावनामे बहना चरित्रके बा । अइसिन अवस्थामे लोकतन्त्रके तीन ठो खम्बा- सत्तारूढ दल, प्रमुख प्रतिपक्षी ओ मिडिया (नागरिक समाजसहित) बिच निर्मम समीक्षा अनिवार्य बा । लोकप्रिय जनमतके साथ सरकार बनल नेपालके वर्तमान अवस्थामे अइसिन खबरदारी आवश्यक बा । सत्तापक्षसे खबरदारी ओ आलोचनाबिचके भेद नैपाइल ओ खबरदारी करनाहे विरोधी मानि कलेसे उ देश ओ लोकतन्त्रके प्रति दुर्भाग्य हुइल बा । हप्ते आज यी सवालमे चिन्तन नैकरलि ओ टाटुल बहसहे स्वीकार नैकरब कलेसे हप्ते लोकतन्त्र फेन विश्वव्यापी 'निरंकुशीकरण' के छायामे परना निश्चित बा ।

लोकतन्त्र एक स्थिर गन्तव्य नाइहो, यी टे एकडम माफेपरना ऐना जस्टे हो ओ हुइ परठ । यकर उदार चरित्र यकर शक्ति फेन हो ओ कमजोरी फेन । स्वतन्त्रता ओ जिम्मेवारीबिचके सन्तुलन कायम करना आजके मुख्य चुनौती हो । पाछे पछुटैनासे आजसे लोकतान्त्रिक संस्थाके सुदृढीकरण ओ नागरिक चेतना अभिवृद्धिमे लगना बुद्धिमानी हुइल बा । लोकतन्त्रके रक्षाके लाग राज्यके सब अंग ओ सरोकारवाला एक ठाउँमे रहल यकर संरक्षणमे लगना आजके अनिवार्य आवश्यकता हो ।

साभार : गोरखापत्र दैनिकसे

“लैडिगक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार”

अन्तर्राष्ट्रिय मलेसियामे भीषण आगलागी, हजारौं विस्थापित



काठमाडौं, ७ वैशाख । मलेसियामे बोनियो टापुके तटीय बस्तीमे अँटवारके रोज हुइल भीषण आगलागीसे भारी मानवीय संकट निम्त्याइल बा । समुद्रउप्पर काठके खम्बाउप्पर बनाइल घना घरमे लागल आगी तीव्र गतिमे फैलके करिब एक हजार घर पूर्णरूपमे नष्ट हुइल बा कलेसे नौ हजारसे ढेर बासिन्दा विस्थापित हुइल बटै ।

अग्नि तथा उद्धार विभागके अनुसार आगलागी सबाह राज्यअन्तर्गत सन्दकन जिल्लाके एक तटीय 'पानी गाउँ' मे सुरु हुइल रहे । काठ ओ अन्य ज्वलनशील सामग्रीसे बनल घर एक आपसमे अत्यन्तै लगे रहल ओरसे आगी हलि फैलल रहे । समुद्रउप्पर खम्बामे रहल संरचनामे फैलल आगी नियन्त्रण करना उद्धारकर्मीहे एकडम कठिनाइ परल जनाइल बा ।

अधिकारीके अनुसार तीव्र हावा ओ घरके घनत्वसे आगी फैलना ओर सहयोग पुगल रहे । साथे, प्रभावित क्षेत्रमे पुन उगार साँकिर रहठ ओ ज्वारभाटाके असरके कारण पानीके सतह घटके उद्धार तथा नियन्त्रण कार्यमे थप समस्या उत्पन्न हुइल रहे । घटनामे हालसम कौनो मानवीय क्षतिके पुष्टि हुइल नैहो । मने हजारौं

स्थानीयवासी अपन बासस्थान गुमाके विस्थापित हुइल बा ओ उहाँहुकनहे अस्थायी शिविरमे सारल बा ।

स्थानीय प्रशासनसे राहत तथा पुनः स्थापनाके लाग काम आघे बहल जनाइल बा । सबाह क्षेत्रमे पैना अइसिन 'पानी गाउँ' प्रायः गरिब तथा सीमान्तकृत समुदायके बसोबास क्षेत्र मानजाइठ । समुद्रउप्पर बनाइल यी अनौपचारिक बस्तीमे पूर्वाधारके अभाव, असुरक्षित आवास संरचना ओ भीडभाडके कारण आगलागीके जोखिम उच्च रहना करल बा । ओहाँ बसोबास करना टमान मने न्यून आय रहल, आदिवासी समुदायके वा औपचारिक नागरिकता नैरहल व्यक्ति हुइना करठ ।

स्थानीय गाउँ प्रमुख सरिफ हासिम सरिफ इटिके अनुसार प्रारम्भिकरूपमे खाना पकैना क्रममे लागल आगी नियन्त्रण बाहेर गैल हुइ सेकना अनुमान करल बा । यद्यपि आगलागीके वास्तविक कारणबारे अनुसन्धान जारी रहल अधिकारीसे बटाइल बा । प्रधानमन्त्री अनवर इब्राहिमसे विस्थापित परिवारहे केन्द्रमे ढके संघीय ओ राज्यस्तरीय निकायसे राहत तथा उद्धार कार्य समन्वय करटिरहल जानकारी डेलै ।

गोहूँक लर्वा जराइबर बिग्रटी रहल माटी



पहुरा समाचारवाता टीकापुर, ७ वैशाख । कैलालीके किसान गोहूँक लर्वा, धानक पैरा ओ बालीनाली उँलक बुसा बारीमे जरैना करल बटै । सिजन अनुसार किसान बारीमे बाली काटसेकलपाछे पैरा, लर्वा ओ बुसा जरैना करल बटै ।

कुछ बरस आघेसम पशुपालन करल किसान आहाराके लाग बुसार ओ पैरा घरमे लानके ढनां ओ गोबर मलके रूपमे फेनसे खेटवामे पुना करे । कुछ बरस यहोर खेटवामे जोटक लाग मेसिन प्रयोग हुइ लागलपाछे गाईगोरे घटल बटै, बुसा, पैरा, लर्वा खउडया गाईवस्तु नैहोके किसान उहीहे खेटवामे जराइ लागल बटै । बाली काटसेकलपाछे खेटवामे आगी लगाइबर खेटवा सफा होके ओरै

बाली लगैना सजिल हुइना किसानके कहाइ रहल बा ।

जानकी गाउँपालिकाके कृषि शाखा प्रमुख लालवीर चौधरी खेतबारीके लाग आवश्यक पनां मित्रजीव नोक्सान हुइना, नाइट्रोजन जरके खेर जैना ओ आगलागीके घटनासमेत निम्त्याइना सम्भावना रलेसे फेन इ नैरुकल बटैलै । जानकी गाउँपालिका अब्बे गोहूँक लर्वा, बुसा नैजरैना ओ पालिकासे गौशालामे रहल गाईवस्तुहे आहाराके रूपमे उपलब्ध कराडेना गाउँवासीहे अनुरोध करले बा ।

आगी लगाइबर माटीके उर्वराशक्ति घटना कना किसान पटा नैपाइल जोशीपुर गाउँपालिकाके कृषि अधिकृत सञ्जय चौधरी बटैलै ।

चौधरी कहलै, “खेटवामे खटहा बनाके लर्वासे जैविक मल अथवा बायोचार बनाइ सेकजैना सम्भावना रलेसे फेन यकर सुरुवात हुइल नैहो ।”

मुनुवाके अगुवा किसान विजय कठरिया गोहूँक लर्वा खेटवामे छोरेबर खेटवा जोटना ट्याक्टर प्रयोग करेबर करा हुइना ओ ओम्हे लगाइल धान फेन फस्टैना करा होके जरैना करल बटैलै । कठरियाके अनुसार एक बिघामे लगाइल गोहूँक लर्वाहे दुर बनाइबर चार हजार रुपियाँ लगना हुइल ओरसे किसान यहाँर आकर्षित नैहुइल हुइट ।

बारीमे आगी लगाइबर खेतबारी सफा हुइलेसे फेन इहीसे माटीक उर्वराशक्ति हास कैनाकसे साथे जैविक तथा वातावरणीय असन्तुलन हुइना विज्ञके कहाइ रहल बा । सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान सङ्घके डिन प्राध्यापक डाक्टर विष्णुविलास अधिकारी खेटवामे आगी लगाइबर माटीक अवस्था बिग्रटी रहल बटैलै । “खेटवामे आगी लगाइबर माटीसे पैना प्राङ्गारिक पदार्थ घट्टी रहल बा, मित्रजीव मरटी रहल बटै, धुवाँसे कुहिरिपण्डल बनाइबर वातावरण प्रदूषण हुइल बा,” प्राडा अधिकारी कहलै, “इहीहे बारीमे जोटडेलेसे मजा रहठ, पश्चिम नेपालके तराईके जिल्लामे इ समस्या रहल बा, इहीहे रोके परल ।”

बाजुरामे सुनसान विद्यालय



बाजुरा, ७ वैशाख । वैशाखके पहिल अँटवारसे बालबालिकाके चहलपहल बहना बाजुराके विद्यालय इ समयमे भर सुनसान बनल बावै ।

२०८२ चैत ५ गतेसे वार्षिक परीक्षा सञ्चालन कैके नतिजा प्रकाशन कैलेसे फेन नेपाल सरकारसे लावा शैक्षिक सत्र वैशाख १५ गतेसे सुरु कैना निर्णय करलपाछे हाल विद्यालय सुनसान बनल हो ।

नेपाल सरकार तथा शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालयके निर्णयअनुसार वैशाख १५ गतेसे शैक्षिक सत्र सुरु हुइना हुइल ओरसे उहे अनुसार नयाँ भर्ना प्रक्रिया आघे

बहैना हुइल ओरसे अब्बे विद्यालय सुनसान बनल हो ।

पाथरकोट आधारभूत विद्यालयके शिक्षक कमलनाथके अनुसार गैल बरस इहे समयमे भर्ना कार्यक्रम सुरु होसेकल रहे । मने इ बरस सरकारके निर्णयअनुसार वैशाख १५ गतेपाछे किल भर्ना खुल्ना हुइल ओरसे विद्यालयमे चहलपहल कम हुइल उहाँ बटैलै ।

उहाँ कहलै, “स्थानीय तहसे फेन केन्द्रके निर्णय पालना करे पनां हुइल ओरसे अब्बे कहाँरो फेन भर्ना खुल्ल नैहो । वैशाख १५ गतेसे विद्यालय सञ्चालन हुइ, ओकरपाछे किल नयाँ

भर्ना लेजाइ । वैशाख २० गतेसे पठनपाठन सुरु हुइना योजना बा ।”

बडिमालिका नगरपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत पुष्पराज भट्ट शनिचर ओ अँटवारके बिदा उहेबर पठनपाठनमे प्रभाव पनां हुइल ओरसे अँटवारके बिदा नैडेना निर्णय करल जानकारी डेलै । अन्य व्यवस्थापन भर नेपाल सरकारके निर्णयअनुसार हुइना उहाँ बटैलै ।

शिक्षा विकास तथा समन्वय इकाइ बाजुराके सूचना अधिकारी लालबहादुर विष्टके अनुसार गत बरस वैशाखके पहिल अँटवारमे नयाँ भर्ना सुरु करल रहे । मने इ बरस सरकारसे टोकल मितिअनुसार वैशाख १५ गतेपाछे किल भर्ना प्रक्रिया आघे बहाजैना बा ।

बाजुरामे कक्षा १ से ३ सम्म २२८, कक्षा ४ से ५ सम्म १७६, कक्षा ६ से ८ सम्म ११२, कक्षा ९ से १० सम्म ६७, कक्षा ११ से १२ सम्म २९ विद्यालय ओ तीन क्याम्पस सहित कुल ६१५ शैक्षिक संस्था सञ्चालनमे रहल बावै ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरूपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय धनगढी, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुदा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन नं. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२९, महेश मो. ९८९३१३१०२९

डडेल्धुरामे सडक स्तरोन्नतिमे अन्याोल

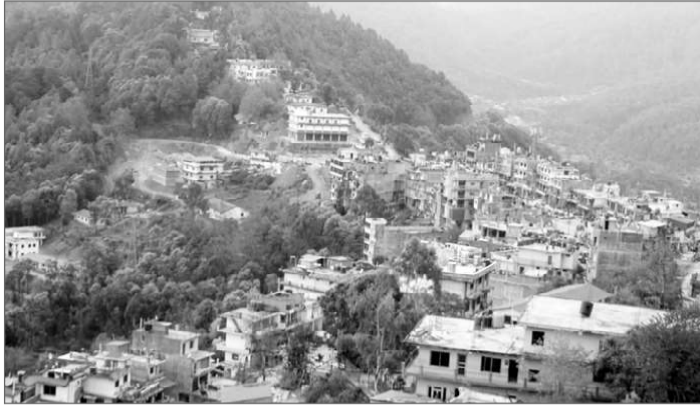
घरमे पुगे लागल राहदानी

डडेल्धुरा, ७ बैशाख । महाकाली राजमार्गाअन्तर्गत डडेल्धुरा सदरमुकाम क्षेत्रके बागबजारसे उपतारा गेटसम ३० मिटर चौडा सडक विस्तार कैना महत्वाकांक्षी योजना मुआब्जा वितरण ओ घर संरचना हटैना काम सम्पन्न हुइलपाछे फेन आभिन कार्यान्वयनमे जाइ सेकल नैहो ।

हालसम करिब ६५ करोड रुपैयाँ मुआब्जा वितरण होसेकल सडक डिभिजन कुलपाते, डोटी जनैले बा । विकासके प्रतीकके रूपमे हेरल इ योजना लम्मा समयसे कानुनी जटिलता, बजेट अभाव ओ प्रशासनिक ढिलासुस्तीके कारण अलपत्रजस्टे अवस्थामे पुगल बा । हालसम करिब ६५ करोड रुपैयाँ बराबरके मुआब्जा वितरण होसेकल रलेसे फेन सडक स्तरोन्नतिके भौतिक प्रगति शून्यजस्टे रहल बा ।

डडेल्धुराके मुख्य बजार क्षेत्र बागबजारसे उपतारा गेटसमके सडकके चाकर, सुरक्षित ओ व्यवस्थित बनैना उद्देश्यसहित योजना आघे बहाइल रहे । साँकिर ओ जीर्ण सडकके कारण दैनिक रूपमे सवारी आवागमनमे समस्या भेल्टी आइल स्थानीयवासीके लाग इ योजना महत्वपूर्ण मानल रहे । मने, योजना सुरु हुइल वर्षी बिटलेसे फेन सडक विस्तारके काम सुरु हुइ नैसेकके स्थानीयमे निराशा बहटी गेल बा ।

इ योजनाअन्तर्गत सडक क्षेत्रभितर पना घर तथा जग्गाधनीहे चरणबद्ध रूपमे मुआब्जा वितरण करल रहे । संघीय सरकारसे सडक डिभिजन कार्यालय कुलपाते, डोटीहे पहिल चरणके लाग २० करोड रुपैयाँ बजेट उपलब्ध कराइल रहे । उहे बजेटसे बागबजार क्षेत्रमे पर्ना १ सय



६ जाने घर तथा जग्गाधनीहे मुआब्जा वितरण करल रहे । दुसरा चरणमे थप ३० करोड रुपैयाँ उपलब्ध कराइलपाछे २ सय ८४ घर तथा जग्गाधनीहे मुआब्जा प्रदान करल रहे । ओस्टके टिसरा चरणमे २३ करोड रुपैयाँ उपलब्ध कराके बाँकी रहल घर तथा जग्गाधनीहे मुआब्जा वितरण करल हो । अइसीक तीन चरणमे करिब ६५ करोड रुपैयाँ बराबरके मुआब्जा वितरण सम्पन्न हुइल सडक डिभिजन कार्यालय जनैले बा ।

मुआब्जा वितरणपाछे सडक क्षेत्रभितर रहल ढेर घर तथा संरचना हटागेल । बागबजार क्षेत्रमे टे कतिपय स्थान पूर्ण रूपमे खाली करल बावै । मने, सडक विस्तारके काम आघे नैबहके उ खाली स्थान अब्बे अस्थायी रूपमे मोटरसाइकल तथा जिप पार्किङके रूपमे प्रयोग हुइ लागल बावै ।

सडक विस्तारमे ढिलाइ हुइनाके मुख्य कारणमध्ये कानुनी विवाद फेन एक हो । मुआब्जामे असन्तुष्टि जनैटी पाँच जाने घर तथा जग्गाधनी अदालतमे मुद्दा दायर करले बटै । उ मुद्दा हाल

विचाराधीन अवस्थामे रहल बावै । अदालतमे मुद्दा परलपाछे निर्माण कार्य आघे बहैना प्रशासनिक रूपमे कठिनाइ हुइना हुइल ओरसे योजना रोकल हो । नेपालमे विकास निर्माणके योजनामे अइसीन कानुनी जटिलता बारम्बार अवरोध सिर्जना कैना करल उदाहरण डडेल्धुराके इ योजना फेन बनल बा ।

सडक डिभिजन कार्यालय कुलपाते, डोटीके सूचना अधिकारी उदय कठायतके अनुसार आर्थिक बरस २०८२/८३ मे इ योजनाके लाग २० करोड रुपैयाँ बजेट विनियोजन करल रहे । मने, 'जेन्जी' आन्दोलनपाछे उक्त बजेट रोक्का हुइबर काम आघे नैसेकल । 'ओ'करपाछे बजेट व्यवस्थापनके लाग विभागमे फाइल पठाइल बा ओ ८० करोड रुपैयाँके बहुवर्षीय योजना स्वीकृत करैना प्रक्रिया आघे बहाइल बा, सूचना अधिकारी कठायत कहलै, 'ढिलाइ हुइनाके मुख्य कारण बजेट अभाव ओ बहुवर्षीय स्रोत सहमति नैपैना हो । आर्थिक बरस २०८३/८४ मे बजेट सुनिश्चित हुइलपाछे ठेक्का प्रक्रिया आघे बहाके काम सुरु

करजैना बा ।'

अन्य सहर तथा बजारमे सडक विस्तारके क्रममे घर तथा संरचना बलपूर्वक हटाइल देखजाइत् । मने यहाँ भर घर तथा जग्गाधनीहे मुआब्जा वितरण कैके सहमतिमे संरचना हटाइल रहे । इहीसे योजना कार्यान्वयनहे सहज बनैना अपेक्षा करल रलेसे फेन अन्ततः कुछ घरधनीके असन्तुष्टिके कारण अदालतसम पुगेबर प्रक्रिया जटिल बनल बा । सडक विस्तार नैहोके यकर प्रत्यक्ष असर दैनिक जनजीवनमे परल बा । साँकिर सडक, धुलामे वातावरण ओ ट्राफिक जामके कारण सर्वसाधारण सास्ती भोगटी आइल बटै । विशेष कैके बजार क्षेत्र रहल सवारी साधनके चाप उच्च हुइना हुइल ओरसे दुर्घटनाके जोखिमसमेत बहल स्थानीय बटैटै ।

'सडक चाकर रलेसे फेन सहज हुइत्, चालक गणेश विष्ट कहलै, 'मने काम सुरु नैहोके समस्या जसके टस रहल बा ।' योजना सुरु हुइबर स्थानीयमे बहट आश जागल रहे । बजार व्यवस्थित हुइना, व्यापार व्यवसायमे वृद्धि हुइना ओ समग्र सहरी विकासमे टेवा पुना अपेक्षा करल रहे । मने, लम्मा समयसम योजना अलपत्र पारेबर उ अपेक्षा क्रमशः निराशामे परिणत हुइटी गेल बावै ।

डडेल्धुरा, ७ बैशाख । स्थानीय घरमे राहदानी पाइ लागल बटै । दुर्गम क्षेत्रके बासिन्दा घरमे राहदानी पाइ लागलपाछे पैसा ओ समयके बचत हुइल बा ।

डडेल्धुराके ग्रामीण क्षेत्र महाकाली लडिया किनारके बस्ती परशुराम नगरपालिका-६, करालीके निर्मला बोहोरा एक दिनके यात्रा कैके जिल्ला सदरमुकाम खलङ्गामे रहल जिल्ला प्रशासन कार्यालय पुगके अनलाइन प्रक्रियामार्फत राहदानीके लाग दर्ता कराइल रहित ।

शुकके उहाँ घरमे राहदानी पैलै । उहाँ कहलै, "घरमे राहदानी पाइबर खुसी लागल बा ।" जिल्ला प्रशासन कार्यालय डडेल्धुरासे हुलाकमार्फत राहदानी उहाँके घरमे पुगाइल हो ।

करालीसे करिब दुई हजार रुपियाँ गाडी भाडा तिरके एक दिनके यात्रा कैके जिल्ला प्रशासन कार्यालय पुगके राहदानी बुभेबर समस्या हुइना करल रहे ।

उहाँके किल नैहोके उहे गाउँके विक्रम बोहोरा, उमेश धामी ओ अमरबहादुर धामीके राहदानी फेन घरमे पुगल बा । धामी कहलै, "दुर्गम क्षेत्रके बासिन्दा राहदानी लेना करिब दुई दिनसम यात्रा करे पर्ना ओ पाँच हजारसे सात हजार रुपियाँसम खर्च बेहोरे पर्ना बाध्यताके अन्य हुइल बा ।" सरकारके नीति राहदानी

हुलाकमार्फत घर घरमे पुगैना हुइल कारण पहिल चरणमे हुलाकमार्फत कुछ थान राहदानी स्थानीयके घरमे पठाइल प्रमुख जिल्ला अधिकारी विष्णुप्रसाद कोइराला बटैलै । उहाँ कहलै, "सरकारी सेवा घरमे उपलब्ध करैना सरकारके नीति अनुसार काम सुरु करले बटै । हुलाक कार्यालयमार्फत राहदानीहे घरमे पुगके उपलब्ध करैना कामसे निरन्तरता पैना बा ।"

जिल्ला प्रशासन कार्यालयसे पहिल चरणमे २७५ जनहनके घरमे राहदानी पठैले बा । एक अँठवार आघे हुलाकमार्फत पठाइल राहदानीसम्बन्धी व्यक्ति वा उहाँके घरके सदस्यहे हुलाकके कर्मचारी पुगैना काम करटी रहल जिल्ला हुलाक कार्यालय डडेल्धुराके कार्यालय प्रमुख विजयराज ओझा बटैलै ।

उहाँके अनुसार जिल्लाके सात स्थानीय तहमे इलाका हुलाक कार्यालय रहल बावै । जिल्ला हुलाक कार्यालयसे इलाकामे राहदानी पठाइलपाछे इलाका हुलाक कार्यालयके कर्मचारी स्थानीयके घरमे राहदानी पुगैना करटै ।

हुलाकमार्फत घरमे राहदानी वितरण सेवा सुरु हुइलपाछे नागरिकहे सहजता हुइनाके साथे सरकारी सेवा प्रवाहहे प्रभावकारी बनैना सहयोग पुना अपेक्षा करल बा कार्यालय प्रमुख ओझाके कहाइ रहल बा ।

डडेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- ❖ सुखखायाम तथा पतझरको समयमा डडेलो लाग्न सक्छ,
- ❖ डडेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,
- ❖ डडेलोबाट जोगिन
- ❖ जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नवालौं,
- ❖ सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- ❖ चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- ❖ डडेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- ❖ डडेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं, वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।



कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- ✓ मधुमेह(सुगर)
- ✓ थाइराइड रोग
- ✓ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ✓ कलेजी रोग
- ✓ TB, हेपाटाइटिस रोग
- ✓ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ✓ मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (CU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC No. 20594
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) न्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाडडोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अप्रेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेसन) । ४) हाड(जोर्नी) तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गे, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेसन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ इव्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-४२४५५५, ४२४६५४, ४२९२४९

कैलारीसे नयाँ प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत धामीहे स्वागत



पहुरा समाचारदाता धनगढी, ७ बैशाख । कैलारी गाउँपालिकामे आइल नयाँ प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत दल बहादुर धामीहे स्वागत

तथा खादासहित सम्मान कैगिल बा । सोम्मारके रोज गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमभन चौधरी, गाउँपालिका उपाध्यक्ष भगवती कुमारी

चौधरीलगायत वडा अध्यक्षहरूके, जनप्रतिनिधिहरूके, गाउँपालिकाके विषयगत शाखाके प्रमुख तथा कर्मचारी हुके नयाँ आइल प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत धामीहे स्वागत करल रहित । सम्मान तथा स्वागत कार्यक्रममे प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत धामी सक्कु जानेक सहकार्य कर्के जाइ पर्ना बटैलै ।

गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमभन चौधरी कर्मचारीहुकन नियम पालन ओ सेवाग्राहीहुकन सहज रूपमे सेवा प्रदान निर्देशन डेलै । कैलारी गाउँपालिका भारतिय सीमामे जोरल ओरसे लागू औषधके दुर्व्यशनीके समस्य रहल बटैलै ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

NMC No. 15308

कन्सल्टन्ट फिजिसियन



धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
☎ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ☎ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२९२७७, ९७६९९३२९०५